an>

Title: Need to waive off loans of farmers distressed due to drought situation in Maharashtra.

**श्री प्रतापराव जाधव (बुलढाणा) :** मैं सरकार का ध्यान महाराष्ट्र में किसानों की दयनीय दशा की तरफ दिलाना चाहता हूँ। इस साल खेतों की बुआई के शुरूआत में अच्छी बरसात हुई थी और उस समय किसान के पास जो बीज, खाद था, उसको बुआई में प्रयोग कर लिया। परन्तु 20 जून के बाद बरसात नहीं हुई है जिसके कारण किसानों ने जो फसल बोई थी, वह सूख गई। अगर बरसात पर्याप्त मात्रा में हुई तो किसानों को दोबारा अपने खेतों में बुआई करनी पड़ेगी। इसके लिए उसके पास बीज, खाद एवं अन्य पर्याप्त साधन नहीं हैं। इन कठिनाइयों के चलते कई किसान आत्महत्या कर चुके हैं और इसी प्रकार की स्थिति रही तो महाराष्ट्र में किसानों द्वारा आत्महत्या की संख्या बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में किसानों की विकट आर्थिक परिस्थितियों के कारण किसान फसल ऋण माफ करने की मांग कर रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि महाराष्ट्र में सूखे के कारण किसानों को हो रही कठिनाइयों को दूर करने हेतु केन्द्र स्तर पर तुरन्त राहत प्रदान की जानी चाहिए।